कक्षा 6 – हिंदी – पाठ 4 : हार की जीत

अभ्यास प्रश्नपत्र — सेट 2

नाम: ______________________________ दिनांक: _____________

अनुक्रमांक: __________________________

भाग (क): बहुविकल्पीय प्रश्न (MULTIPLE CHOICE QUESTIONS)

1. सुलतान की चाल देखकर खड्गसिंह के मन में क्या भाव उठा?

(अ) प्रसन्नता (ब) ईर्ष्या और लालच (स) भय (द) उदासीनता

2. जाते समय खड्गसिंह ने बाबा भारती से क्या कहा?

(अ) मैं यह घोड़ा आपके पास न रहने दूँगा (ब) मैं फिर कभी नहीं आऊँगा (स) यह घोड़ा मुझे पसंद नहीं आया (द) मुझे क्षमा करें

3. धमकी सुनने के बाद बाबा भारती की रातें कैसे बीतने लगीं?

(अ) आराम से सोकर (ब) अस्तबल की रखवाली में (स) यात्रा करते हुए (द) भजन गाते हुए बिना चिंता के

4. कुछ महीनों बाद बाबा भारती के व्यवहार में क्या परिवर्तन आया?

(अ) वे और सतर्क हो गए (ब) वे कुछ असावधान हो गए (स) उन्होंने घोड़ा बेच दिया (द) उन्होंने मंदिर छोड़ दिया

5. रास्ते में किसने बाबा भारती को आवाज़ देकर रोका?

(अ) एक बच्चे ने (ब) एक अपाहिज (खड्गसिंह) ने (स) एक स्त्री ने (द) एक साधु ने

6. अपाहिज ने बाबा भारती से क्या सहायता माँगी?

(अ) पैसे (ब) घोड़े पर बिठाकर रामावाला ले जाने की (स) भोजन (द) आश्रय

7. बाबा भारती ने अपाहिज की सहायता कैसे की?

cbseclassworksheets.com

(अ) उसे कंधे पर उठाया (ब) उसे घोड़े पर बिठाकर स्वयं लगाम पकड़ी (स) उसे पैसे देकर चले गए (द) उसे मंदिर ले गए

8. अचानक लगाम हाथ से छूटने पर क्या हुआ?

(अ) घोड़ा रुक गया (ब) अपाहिज घोड़े को दौड़ाकर ले गया (स) बाबा भारती गिर पड़े (द) कुछ नहीं हुआ

9. बाबा भारती ने खड्गसिंह से घोड़े के बारे में क्या कहा?

(अ) घोड़ा वापस कर दो (ब) यह घोड़ा अब तुम्हारा हो चुका है (स) मैं पुलिस बुलाऊँगा (द) मुझे घोड़े की कोई परवाह नहीं

10. बाबा भारती ने खड्गसिंह से क्या प्रार्थना की?

(अ) घटना किसी को न बताना (ब) घोड़ा लौटा देना (स) डाकू का काम छोड़ देना (द) उनके साथ मंदिर में रहना

भाग (ख): रिक्त स्थान भरिए (FILL IN THE BLANKS)

1. खड्गसिंह ने कहा, "बाबाजी, मैं यह घोड़ा आपके पास न ______ दूँगा।"

2. घोड़े को खोने के डर से बाबा भारती को रात को ______ न आती थी।

3. कई ______ बीत जाने पर बाबा भारती असावधान हो गए।

4. अपाहिज बना खड्गसिंह ______ वृक्ष की छाया में पड़ा कराह रहा था।

5. अपाहिज ने कहा कि वह ______ वैद्य का सौतेला भाई है।

6. बाबा भारती ने घोड़े की ______ पकड़कर धीरे-धीरे चलना शुरू किया।

7. लगाम हाथ से छूटते ही बाबा भारती के मुख से भय, विस्मय और ______ से मिली चीख निकली।

8. बाबा भारती ने खड्गसिंह से कहा कि यह घटना किसी के सामने ______ न करना।

9. बाबा भारती को डर था कि लोग ______ पर विश्वास करना छोड़ देंगे।

cbseclassworksheets.com

10. बाबा भारती के शब्द सुनकर खड्गसिंह के मन में बार-बार उनके ______ विचार गूँजते रहे।

भाग (ग): सत्य/असत्य बताइए (TRUE / FALSE)

1. खड्गसिंह ने बाबा भारती को घोड़ा ले जाने की धमकी दी थी।
2. धमकी सुनकर बाबा भारती निश्चिंत रहे।
3. बाबा भारती कई महीनों तक रात को अस्तबल की रखवाली करते रहे।
4. कुछ समय बाद बाबा भारती पूरी तरह सतर्क बने रहे।
5. एक अपाहिज ने बाबा भारती से सहायता माँगी थी।
6. अपाहिज वास्तव में एक सच्चा दुखियारा व्यक्ति था।
7. बाबा भारती ने अपाहिज को घोड़े पर बैठाकर स्वयं लगाम पकड़ी।
8. अपाहिज बना खड्गसिंह घोड़ा लेकर भाग गया।
9. बाबा भारती ने खड्गसिंह से घोड़ा वापस माँगा।
10. बाबा भारती को डर था कि लोग गरीबों पर से विश्वास उठा लेंगे।

भाग (घ): दो पंक्तियों में उत्तर दीजिए

1. खड्गसिंह की धमकी सुनकर बाबा भारती के जीवन में क्या परिवर्तन आया?

2. कुछ महीनों बाद बाबा भारती असावधान क्यों हो गए?

3. संध्या के समय बाबा भारती को रास्ते में किसने आवाज़ दी?

cbseclassworksheets.com

4. अपाहिज ने बाबा भारती से क्या सहायता माँगी?

5. अपाहिज ने अपने बारे में बाबा भारती को क्या बताया?

6. बाबा भारती ने अपाहिज की सहायता कैसे की?

7. घोड़े की लगाम हाथ से छूटने पर क्या हुआ?

8. बाबा भारती ने खड्गसिंह से घोड़े के बारे में क्या कहा?

9. बाबा भारती ने खड्गसिंह से क्या प्रार्थना की?

10. बाबा भारती को घटना छिपाने की आवश्यकता क्यों महसूस हुई?

भाग (ङ): संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए (3-4 बिंदुओं में)

1. खड्गसिंह की धमकी और उसका बाबा भारती पर प्रभाव लिखिए।

cbseclassworksheets.com

2. अपाहिज बनकर आया खड्गसिंह — इस प्रसंग का वर्णन कीजिए।

3. अपाहिज की सहायता के प्रसंग में बाबा भारती की दयालुता पर टिप्पणी लिखिए।

4. बाबा भारती की खड्गसिंह से की गई प्रार्थना का महत्व लिखिए।

5. गरीबों के प्रति विश्वास बनाए रखने का महत्व स्पष्ट कीजिए।

भाग (च): किसने किससे कहा? (WHO SAID TO WHOM)

1. "ओ बाबा, इस कंगले की सुनते जाना।"

cbseclassworksheets.com

2. "बाबा, मैं दुखियारा हूँ। मुझ पर दया करो।"
3. "दुर्गादत्त वैद्य का नाम आपने सुना होगा। मैं उनका सौतेला भाई हूँ।"
4. "ज़रा ठहर जाओ।"
5. "बाबाजी, यह घोड़ा अब न दूँगा।"

cbseclassworksheets.com

उत्तर कुंजी (Answer Key) — सेट 1

भाग (क): बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर

1. (ब) ईर्ष्या और लालच
2. (अ) मैं यह घोड़ा आपके पास न रहने दूँगा
3. (ब) अस्तबल की रखवाली में
4. (ब) वे कुछ असावधान हो गए
5. (ब) एक अपाहिज (खड्गसिंह) ने
6. (ब) घोड़े पर बिठाकर रामावाला ले जाने की
7. (ब) उसे घोड़े पर बिठाकर स्वयं लगाम पकड़ी
8. (ब) अपाहिज घोड़े को दौड़ाकर ले गया
9. (ब) यह घोड़ा अब तुम्हारा हो चुका है
10. (अ) घटना किसी को न बताना

भाग (ख): रिक्त स्थान के उत्तर

1. रहने
2. नींद
3. मास
4. एक
5. दुर्गादत्त
6. लगाम
7. निराशा
8. प्रकट
9. गरीबों
10. ऊँचे

भाग (ग): सत्य/असत्य के उत्तर

1. सत्य
2. असत्य
3. सत्य

cbseclassworksheets.com

4. असत्य

5. सत्य

6. असत्य

7. सत्य

8. सत्य

9. असत्य

10. सत्य

भाग (घ): दो पंक्तियों में उत्तर (नमूना उत्तर संकेत)

1. बाबा भारती डर गए और रात को उन्हें नींद न आती थी; वे सारी रात अस्तबल की रखवाली में बिताने लगे।

2. कई महीने बीत जाने पर भी खड्गसिंह नहीं आया, इसलिए बाबा भारती भय को स्वप्न जैसा मिथ्या समझकर असावधान हो गए।

3. संध्या के समय एक अपाहिज (वास्तव में खड्गसिंह) ने करुण स्वर में बाबा भारती को आवाज़ देकर रोका।

4. अपाहिज ने कहा कि वह दुखियारा है और उसे तीन मील दूर रामावाला जाना है, इसलिए घोड़े पर बिठाकर ले चलें।

5. अपाहिज ने बताया कि वह दुर्गादत्त वैद्य का सौतेला भाई है, जिसका नाम बाबा भारती ने सुना होगा।

6. बाबा भारती ने अपाहिज को घोड़े पर बिठाया और स्वयं लगाम पकड़कर धीरे-धीरे चलने लगे।

7. अचानक झटका लगा और लगाम हाथ से छूट गई; अपाहिज (खड्गसिंह) घोड़े को दौड़ाकर ले गया और बाबा के मुख से भय-विस्मय भरी चीख निकली।

8. बाबा भारती ने कहा कि यह घोड़ा अब खड्गसिंह का हो चुका है और वे इसे वापस करने को नहीं कहेंगे।

9. बाबा भारती ने प्रार्थना की कि इस घटना को खड्गसिंह किसी के सामने प्रकट न करे।

10. बाबा भारती को डर था कि यदि लोगों को पता चला कि एक गरीब की सहायता के बहाने धोखा हुआ, तो दुनिया से गरीबों पर से विश्वास उठ जाएगा।

भाग (ङ): संक्षिप्त टिप्पणी के बिंदु-संकेत

1. **खड्गसिंह की धमकी और उसका बाबा भारती पर प्रभाव**

- जाते-जाते खड्गसिंह ने कहा, "बाबाजी, मैं यह घोड़ा आपके पास न रहने दूँगा।"

- इससे "बाबा भारती डर गए। अब उन्हें रात को नींद न आती।"
- "सारी रात अस्तबल की रखवाली में कटने लगी" और प्रतिक्षण खड्गसिंह का भय बना रहता।
- "कई मास बीत गए" और वे इस भय को "स्वप्न के भय की नाईं मिथ्या" समझकर असावधान हो गए।

2. **अपाहिज बनकर आया खड्गसिंह — प्रसंग-वर्णन**

- एक वृक्ष की छाया में पड़ा व्यक्ति करुण स्वर में बोला, "ओ बाबा, इस कंगले की सुनते जाना।"
- उसने स्वयं को "दुर्गादत्त वैद्य का सौतेला भाई" बताकर रामावाला ले चलने की विनती की।
- बाबा भारती ने उसे घोड़े पर सवार कर स्वयं "लगाम पकड़कर धीरे-धीरे चलना" शुरू किया।
- सहसा "झटका-सा लगा और लगाम हाथ से छूट गई" — अपाहिज घोड़े को दौड़ाए ले गया, यह वास्तव में खड्गसिंह था।

3. **अपाहिज की सहायता के प्रसंग में बाबा भारती की दयालुता**

- करुण पुकार सुनते ही बाबा भारती ने तुरंत "घोड़े को रोक लिया।"
- बिना शक किए उन्होंने "घोड़े से उतरकर अपाहिज को घोड़े पर सवार किया।"
- वे स्वयं लगाम पकड़कर चले ताकि अपाहिज को कष्ट न हो।
- छला जाने के बाद भी उन्होंने क्रोध नहीं किया, बल्कि घोड़ा खड्गसिंह को "हो चुका है" कहकर स्वीकार कर लिया — यह सच्ची करुणा दर्शाता है।
-

4. बाबा भारती की खड्गसिंह से की गई प्रार्थना का महत्व

- बाबा भारती ने कहा, "यह घोड़ा तुम्हारा हो चुका है... इसे अस्वीकार न करना; नहीं तो मेरा दिल टूट जाएगा।"
- घोड़ा वापस माँगने के बजाय उन्होंने केवल यह कहा, "इस घटना को किसी के सामने प्रकट न करना।"
- इससे स्पष्ट होता है कि उन्हें घोड़े की हानि से अधिक चिंता समाज के विश्वास की थी।
- यही प्रार्थना खड्गसिंह के मन में हलचल मचाकर उसके हृदय-परिवर्तन का कारण बनी।

5. **गरीबों के प्रति विश्वास बनाए रखने का महत्व**

cbseclassworksheets.com

- बाबा भारती ने कहा, "लोगों को यदि इस घटना का पता चला तो वे किसी गरीब पर विश्वास न करेंगे।"
- उन्हें डर था कि "दुनिया से विश्वास उठ जाएगा।"
- इसीलिए उन्होंने "सुलतान की ओर से इस तरह मुँह मोड़ लिया जैसे उनका उससे कभी कोई संबंध ही न रहा हो।"
- यह दिखाता है कि समाज में विश्वास बनाए रखना धन-संपत्ति से भी अधिक मूल्यवान है।

भाग (च): किसने किससे कहा — उत्तर

1. अपाहिज बने खड्गसिंह ने बाबा भारती से कहा।
2. अपाहिज बने खड्गसिंह ने बाबा भारती से कहा।
3. अपाहिज बने खड्गसिंह ने बाबा भारती से कहा।
4. बाबा भारती ने खड्गसिंह से कहा।
5. खड्गसिंह ने बाबा भारती से कहा।

cbseclassworksheets.com